भविष्य का भोजन

स्रोत: लाइवमिंट

हाल ही में भारत सरकार ने **अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिये जैव प्रौद्योगिकी (Bioe3) नीति को** मंजूरी दी है, जिसमें प्रमुख फोकस क्षेत्र के रूप में **"स्मार्ट प्रोटीन"** के उत्पादन को प्राथमिकता दी गई है।

- **स्मार्ट प्रोटीन:**
  - वैकल्पिक या स्मार्ट प्रोटीन से तात्पर्य **अपरंपरागत स्रोतों** जैसे **शैवाल, कवक या कीटों** से प्राप्त प्रोटीन या किण्वन और प्रयोगशाला में विकसित कोशिकाओं जैसे **उन्नत तरीकों का उपयोग करके उत्पादित प्रोटीन से है।**
  - इस शब्द में **पादप-आधारित प्रोटीन (**जो दशकों से उपलब्ध हैं) **भी शामिल हैं,** जिसे पशुधन ब्रीडिंग की आवश्यकता के बिना पशु उत्पादों के स्वाद और पोषण मूल्य को परिवर्तित करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
  - आँकड़ों के अनुसार वैकल्पिक प्रोटीन उत्पादन से पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव में कमी आती है इसमें **72-99% तक कम जल के साथ 47-99% तक कम भूमि का उपयोग होता है और इससे जल प्रदूषण 51-91% तक कम होने के साथ** इससे **पारंपरिक मांस उत्पादन की तुलना में ग्रीनहाउस गैसों का 30-90% तक कम उत्सर्जन होता है।**
- **सुरक्षित एवं धारणीय:**
  - आय बढ़ने के साथ लोग अधिक प्रोटीन का उपभोग करते हैं। **भारत में प्रोटीन का सेवन वर्ष 1991 के कुल कैलोरी के संदर्भ में 9.7% से बढ़कर वर्ष 2021 में 11% हो गया है।**
  - **वैकल्पिक प्रोटीन से ज़ूनोटिक रोगों** के जोखिम में कमी आने के साथ खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है।
- **Bioe3 नीति:**
  - इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले **जैव-उत्पादों को** बढ़ावा देना है, जिसमें व्यापक **राष्ट्रीय लक्ष्य जैसे 'नेट जीरो' कार्बन अर्थव्यवस्था को** प्राप्त करने के साथ एक **सर्कुलर जैव-अर्थव्यवस्था के माध्यम से धारणीय विकास को बढ़ावा देना शामिल है।**

अधिक पढ़ें: भारत में BioE3 नीति और जैव प्रौद्योगिकी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/food-of-the-future